Chapter- 10

नव वर्ष का पर्व पोंगल

STUDY NOTES

विषय प्रतिपाद्य :

तामिलनाडु में मनाया जाने वाला त्योहार है पोंगल। यह हर्ष और उल्लास से मनाया जाता है। पहला दिन 'भोंगी पोगल' है। उस दिन महिलाएँ आँगन लीपकर घरों को फूलों से सजाती है। चावल के स्वादिष्ट पकवान तथा नारियल के दूध की गुड़वाली खीर बनाते हैं। दूसरे दिन 'सूर्य पोंगल' है। उस दिन सूर्य देवता की पूजा होती है। चावल, ज्वार, दूध और नारियल से बनी खीर सूर्य देवता को भोग में लगाते हैं। तीसरे दिन 'माट्टू पोंगल' है। उस दिन पशुओं की पूजा की जाती है क्योंकि यही जीवन के आधार है। इस पोंगल में भी एक कुरीति है जिसे 'जल्ली कट्टू' कहा जाता है। उसमें बैल एवं भैसों को तंग कर दौड़ाते हैं फिर उन्हें काबू में लाते हैं। पालतू पशुओं पर अत्याचार के कारण उच्चतम न्यायालय ने इसे न मानने का अध्यादेश दिया है। पोंगल हर्षोल्लस के साथ दोस्ती, भाईचारें एवं पशुप्रेम का संदेश भी देता है।

मौखिक –

१. **श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास –**

त्योहार	हर्ष	उल्लास	इंद्र
वषा	भोग	उपज	अत्यंत

२. **कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए –**

क) पोंगल किस राज्य का पर्व है ?

उ- पोंगल तामिलनाडु राज्य का पर्व है।

ख) पोंगल का पहला दिन क्या कहलाता है ?

उ- पोंगल का पहला दिन 'भोंगी पोंगल' कहलाता है।

ग) वर्षा के देवता कौन है ?

उ- वर्षा के देवता इंद्र है।

लिखित-

१. जोड़कर लिखिए -

क) भोंगी पोंगल के दिन नदी में _____ नहाकर इंद्र की पूजा की जाती है।

ख) दूसरा दिन_____ सूर्य पोंगल कहलाता है।

ग) सूर्य देवता फसलों को _____ उष्मा और ऊर्जा प्रदान करते हैं।

घ) पशु ही जीवन के_____ आधार है।

ङ) पोंगल भाईचारा एवं _____ पशु प्रेम का संदेश देता है।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) भोंगी पोंगल के दिन किस देवता की पूजा की जाती है और क्यों?

उ- 'भोंगी पोंगल' के दिन इंद्र देवता की पूजा की जाती है, क्योंकि लोगों का मानना है कि इंद्र देवता वर्षा के देवता है। जब इंद्र देवता समय पर वर्षा करेंगें, तभी खेतों में फ़सल लहराएगी।

ख) पोंगल के दूसरे दिन को क्या कहा जाता है और यह कैसे मनाया जाता है।

उ- पोंगल के दूसरे दिन 'सूर्य पोंगल' कहा जाता है। उस दिन चावल, ज्वार, दूध और नारियल के बनी खीर सूर्य देवता को भोग में चढ़ाई जाती है। लोग रिस्तेदारों और मित्रों को पोंगल की बधाई देते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

ग) 'माट्टू पोंगल' के दिन दक्षिण भारत के लोग क्या करते हैं?

उ- माट्टू पोंगल के दिन दक्षिण भारत में पशुओं की पूजा की जाती है। माना जाता है कि पशु ही जीवन का आधार हैं। उस दिन भी लोग एक कुरीति को मानते हैं, 'जल्ली कट्टू' कहा जाता है। उस दिन बैलों एवं भैंसो को तंग कर पहले दौड़ाते हैं और उन्हे काबू में लाते हैं।

घ) उच्चतम न्यायालय ने किस प्रथा पर रोक लगाई और क्यों?

उ- उच्चतम न्यायालय ने 'जल्ली कट्टू' प्रथा पर रोक लगाई थी क्योंकि उस दिन पालतू पशुओं पर अत्याचार किया जाता है।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए –

क) पर्व किस प्रकार से हमारे जीवन में आंनद लाते हैं? लिखिए।

उ: पर्व हमारे जीवन में आंनद लातो हैं और साथ ही हमें बहुत सारे ज्ञान भी मिलते हैं। बहुत सारी बातें-रीति-रिवाज सीखने और देखने को मिलते है। सभी पर्व मानवीय गुणों को स्थापित कर लोगों में प्रेम, एकता व सद्भाव को बढ़ाने का संदेश देते हैं। पर्व ही हैं जो परिवारों और समाज को जोड़ते हैं।

ख) 'जल्ली कट्टू' के बारे में आप क्या जानते हैं?

उ: 'जल्ली कट्टू' तामिलनाडु के ग्रामीण इलाकों का एक परंपरागत खेल हैं, जो पोंगल त्योहार पर आयोजित किया जाता है। जिससे बैलों से इंसानों की लड़ाई कराई जाती है। यह खेल २००० साल पुराना खेल हैं। जो उनकी संस्कृति से जुडा है।

भाषा ज्ञान-

१. 'निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए-

मरन - मरण

दसरथ - दशश्य

नास - नाश

ग्यानी - ज्ञानी

करम - कर्म

अधार - आधार

साधू - साधु

पुज्य - पूज्य

इसिलिए - इसलिए

मिठाईयाँ - मिठाइयाँ

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

२. जैसे जानवरों का 'झुंड़' होता है, वैसे –

क) चाबियों का ___गुच्छा___ होता है।

ख) फूलों का ___गुलदस्ता___ होता है।

ग) पक्षियों का ___झुंड___ होता है।

घ) पेड़ों का ___समूह___ होता है।

३. वचन बदलकर वाक्य दुबारा लिखिए।

क) महिलाएँ आँगन लीपती है।

उ- महिला आँगन लीपती है।

ख) उसने अपने मित्रों को पोंगल की बधाई दी।

उ- उसने अपने मित्र को पोंगल की बधाई दी।

ग) ये फ़सलों की उपज में सहायता करता हैं।

उ- ये फ़सल की उपज में सहायता करता हैं।

घ) वह मिठाई बाँटता है।

उ- वह मिठाइयाँ बाँटते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

◆◆◆